>

Title: Issues regarding students' Union in Universities.

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। देश के करोड़ों नौजवानों की ओर से आज जो देश के अंदर भारत के लोग अपने ऊपर गौरव करते हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारतीय लोकतंत्र है। लेकिन इस लोकतंत्र की विडम्बना हम आपसे व्यक्त करना चाहते हैं। हम सदन का ध्यान देश के उन करोड़ों नौजवानों की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, जिन नौजवानों ने आजादी के आंदोलन में न जाने कितनी कुर्बानियां दी। शहीद लाल पदमदर जैसे कितने लोगों ने ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : संक्षेप में बोलिये।

श्री धर्मेन्द्र यादव : उपाध्यक्ष जी, यह बहुत जरूरी है।

उपाध्यक्ष महोदय : जरूरी है तो संक्षेप में बोलिये। सभी का भाषण जरूरी है।

श्री धर्मेन्द्र यादव : आजादी की लड़ाई में नौजवानों ने बहुत गोलियां खाई। उपाध्यक्ष महोदय यह सुनना पड़ेगा। हम आपसे कहना चाहते हैं आजादी के बाद जब स्वतंत्रता मिली, जब देश की व्यवस्था बनी...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : संक्षेप में बोलिये, पुरानी कहानी मत दोहराइये।

श्री धर्मेन्द्र यादव : जब देश की व्यवस्था बनी तो प्रत्येक विश्वविद्यालय में छात्र समूह का गठन किया गया और जब छात्र समूह का गठन हुआ तो छात्र संघ के लोगों ने देश के निर्माण में न जाने कितनी कुर्बानियां दी, न जाने कितना योगदान दिया। आज जिस गौरवशाली लोकतंत्र पर हम लोग गर्व कर रहे हैं,

इस लोकतंत्र के मंदिर में आने के लिए न जाने कितने नौजवानों ने अपना जीवन छात्र संघों के माध्यम से शुरु किया। मैं दावा करता हूं कि आज भी देश के दोनों सदनों के अंदर और आज से पहले भी जब-जब सदन गठित हुये हैं, छात्र संघों से निकलने वाले लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हम इस बात से इनकार नहीं करते कि...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया संक्षेप में बोलिये।

श्री धर्मेन्द्र यादव : उपाध्यक्ष महोदय, आज की तारीख में यह सच है कि देश के अंदर ऐसे बहुत से नौजवान हैं लेकिन यह सच्चाई है कि ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप संक्षेप में कहिये, इतनी देर तक नहीं चलेगा।

श्री धर्मेन्द्र यादव : उपाध्यक्ष जी, आपको सुनना पड़ेगा। यह सच्चाई है कि राजनैतिक पृष्ठभूमि से निकलने वाले नौजवान इस देश के सदन तक नहीं आ पा रहे हैं। मैं आपसे अपील करना चाहता हूं कि सत्ता पक्ष के लोग नौजवानों की बड़ी चिन्ता करते हैं। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि जो किसानों, गरीबों, मजलूमों , तमाम तरह के गरीब परिवारों के नौजवान हैं, उनमें कौन सा मंच बना हुआ है जिस मंच के माध्यम से वे सेवा कर सकें? इसलिए, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि ए.एम.यू ... , जामिया मिलिया इस्लामिया, बीएचयू, इलाहाबाद आदि विश्वविद्यालयों में नहीं हो रहा है। *(Interruptions) â€¦**